LOOK N LEARN
CHILDREN'S JAIN MAGAZINE
Rs. 5.00/-
10th July 2016 I Every Fortnight I English, Hindi & Gujarati

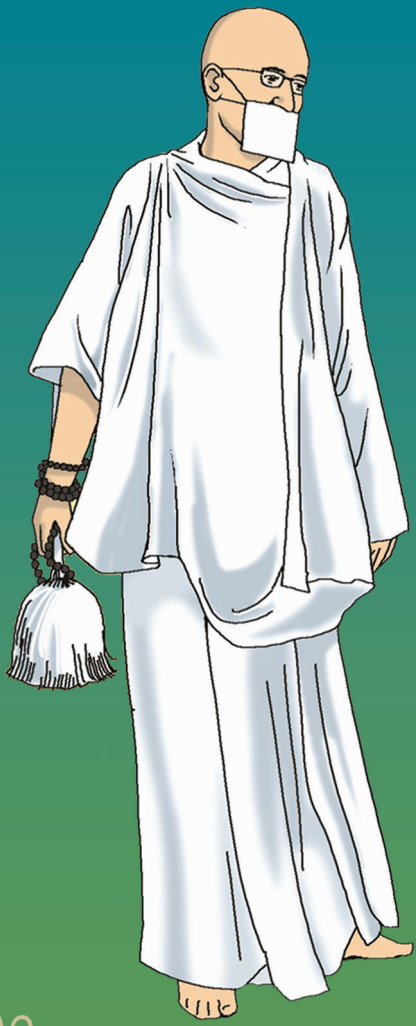

Two words, eight letters,
"Thank you"
Yet we cannot comprehend
our feelings...
One word, seven letters,
"Gurudev"
Yet gratitude is all
what we have...
So let's open a solved mystery
and say the words
our heart always chants...
THANK YOU
PUJYA GURUDEV!

Year - 9, Vol: 7, Issue: 11, Date: 10.07.2016
Editor: Ashokbhai Sheth 20, Vanik Niwas, 1st floor, Cama Lane, Ghatkopar (West), Mumbai - 400 086.

"Guru na Prabhav ni Prabhavna"

We all experience Gurukrupa and divinity in our life by one or the other mean.

Today, on the auspicious day of "Guru Poornima", lets all grab this opportunity to express our gratitude for the endless gurukrupa that has always been showering on us.

What is the importance of Guru in our life?

Here are some heart touching words which shows us that a single sentence from Guru can bring about a thousand changes in a shishya's life.

Cheque or Draft:
Arham Yuva Group

Parasdham
Vallabh Baug Lane, Tilak Road,
Ghatkopar (E), Mumbai - 77

Subscription for 10 years:
India : Rs. 1,000/-
Abroad : Rs. 5,000/-

महावीर स्वामी अने गौतम स्वामी

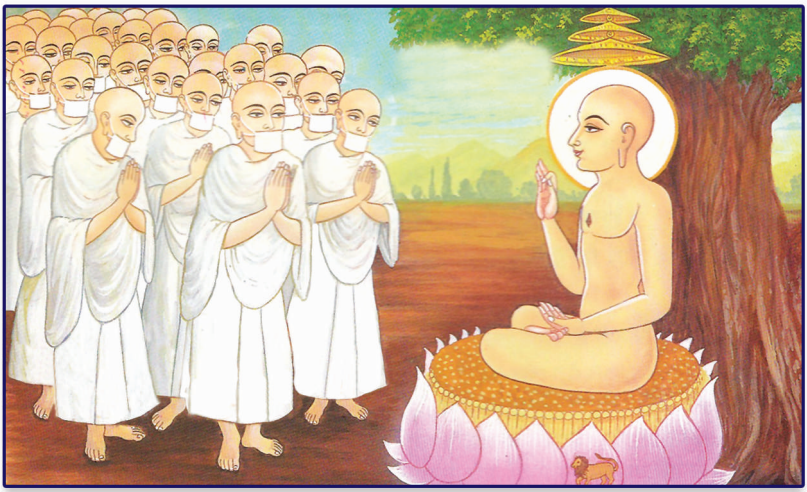

"हे (गोयमा) गौतम समय मात्र नो प्रमाद ना कर!"

गौतम स्वामी पासे १४ पूर्वनुं ज्ञान हतु छता
महावीर स्वामी पासे उकडु आसने विनयपूर्वक बेसता...
अपूर्व ज्ञान होवा छता एक अज्ञानीनी जेम ज्ञान ग्रहण करता...

चंदनबाळा अने मृगावती

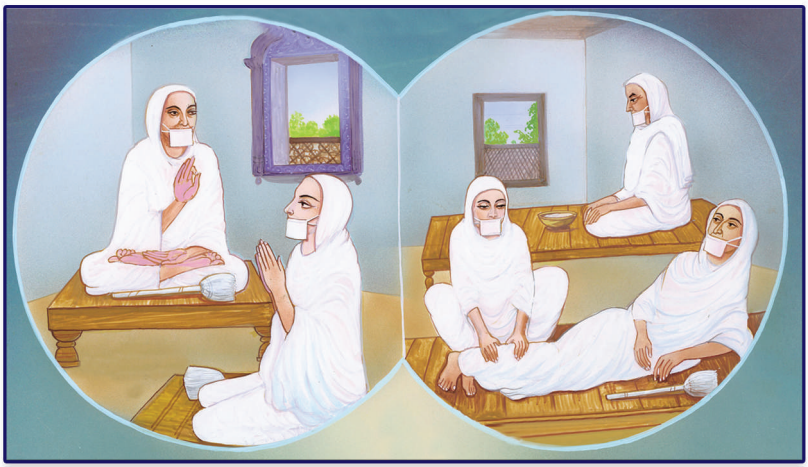

"साध्वी जीवन ना आचरणमां कोइ पण फरक न पडवो जोइए।
आपणे साधवी छे, ते भुलवु न जोइए!"

संयम ग्रहण कर्या पछी संयमीना दरेक आचारनुं निष्ठाथी पालन करवुं... संयमीए दरेक क्षण सतर्क रहेवुं जोइए के परमात्मा पथदर्शन छे परमात्माए बतावेल मार्ग पर चाली रह्या छे!

Guru is Reflection

गौतम स्वामी अने अईमुत्ता मुनी

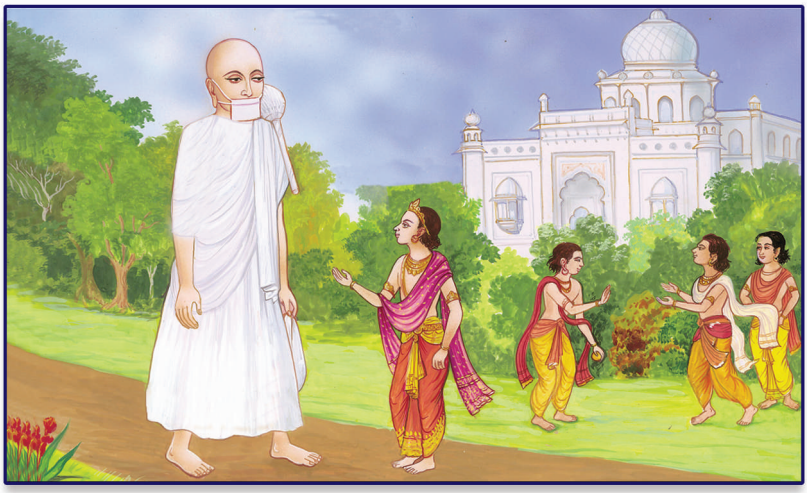

"मृत्यु आववानु छे ते नक्की छे पण क्यारे आवशे ते नक्की नथी!"

आपणने आ संसारनो मोह छे, वस्तुओनो मोह छे पण
मृत्यु क्यारे आवशे ते खबर नथी आ घर, कपडा,
दागीना मृत्यु आवशे त्यारे अहीं ज रही जशे!

Guru is Expression

ऋषभदेव अने ९८ पुत्र

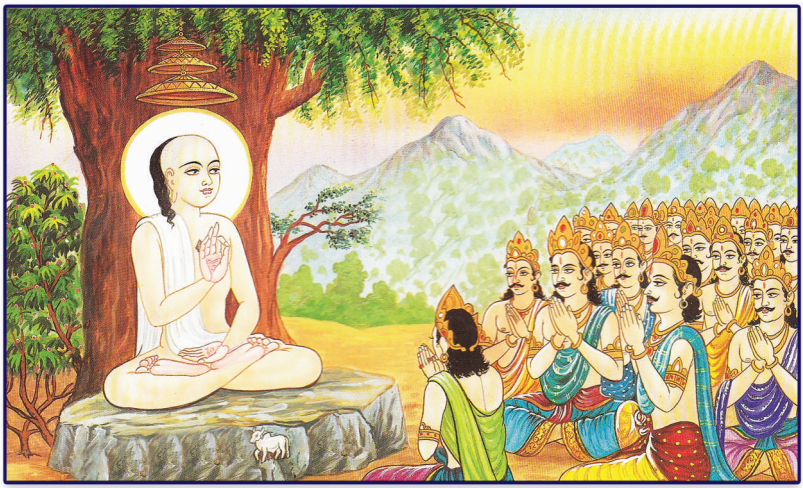

"आत्मानी समृध्धि सामे राज्यनी समृध्धि काइज नथी!"

ऋषभदेव भगवान ना ९८ पुत्रो राज्य माटे लडी रह्या हता
त्यारे भगवाने समजाव्यु के राज्यनी समृध्धिथी
तमने मोक्षगती नहीं मळे पण,
आत्मानी समृध्धि परम पदनी प्राप्ती करावशे।

Guru is Inspiration

नेमनाथ अने गजसुकुमार

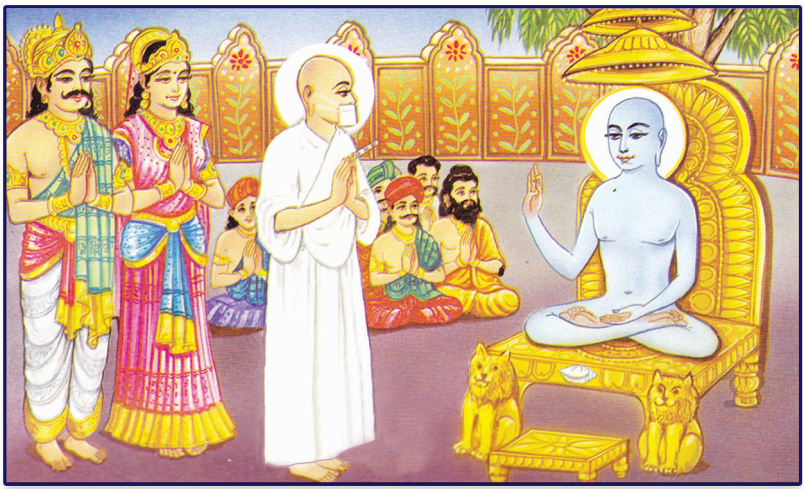

"देवानुप्रिय, सुख ऊपजे तेम करो परंतु, सारूं कार्य करवामां विलंब न करो!"

परमात्मा पासे कोई व्यक्ति संयम ग्रहण करवानी आज्ञा मांगे त्यारे परमात्मा तेमने मनुष्य भवनी महत्वता समझावे छे। मानवभव केटलो अमुल्य छे, आ मनुष्य भवमां सत्कार्य करवामां क्यारे पण विलंब न करवो तेनु परमात्मा ज्ञान आपे छे!

Guru is Compassion

જંબુકુમાર અને પ્રભવચોર

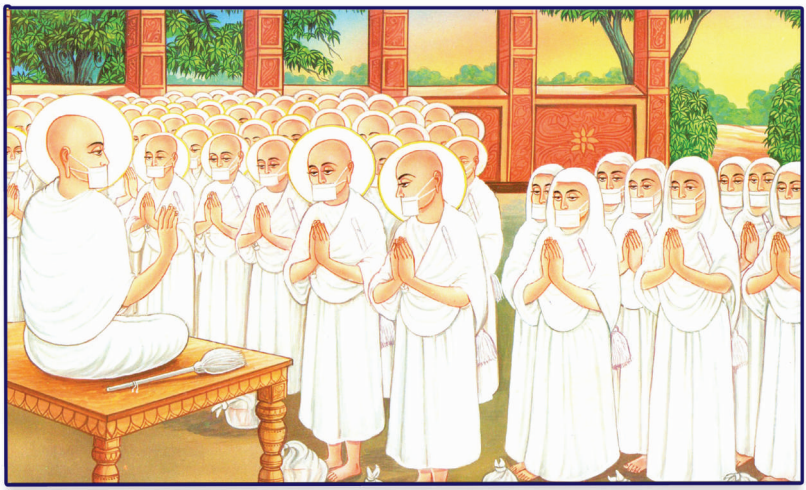

"भोग तो अनंता भवमा भोगव्या, भोगनी कोइ तृप्ति नथी,
त्याग थी भोगना बंधन माथी छूटी शकाय छे!"

જંબુકુમારના લગ્નની રાત્રીએ પ્રભવ ચોર ચોરી કરવા રાજમહેલ આવે છે। જંબુકુમારના બોધથી પ્રભવચોરને સમજાયું કે ત્યાગથી ભોગના બંધનમાથી છુટી શકાય છે, ત્યાગથી જ પરમાત્માના પદની પ્રાપ્તી છે!

Guru is Motivation

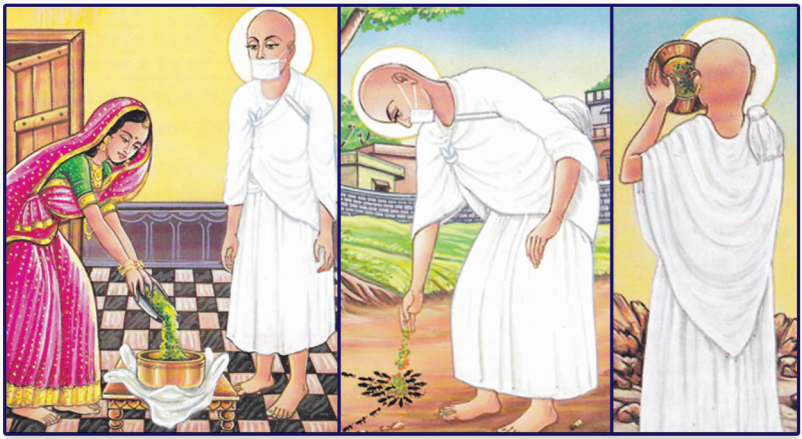

ધર્મઘોષ મુનિ અને ધર્મરુચી

"હે શિષ્ય હળાહળ ઝેરી શાક નિર્વધ સ્થાન શોધી ત્યાં પરઠી દેજો!"

ગુરુની આજ્ઞા પાળવા ધર્મરુચી કડવું તુંબડીનુ શાક પરઠવા જાય છે ત્યારે એવુ કોઇ સ્થાન ન હતુ જ્યા સુક્ષ્મજીવો ન હોય। શાકનું એક ટીપું પડયું તે સ્થાન પર અસંખ્ય કીડીઓ મૃત્યુ પામી એ જોઇ બીજા જીવોને હર્ટ ન થાય માટેજ તે બધુ શાક ધર્મરુચી અણગાર એ ગ્રહણ કર્યું। એમ અનેક જીવોને અભયદાન આપ્યુ!

Guru is Protection

शैलक राजा अने पंथक मुनी

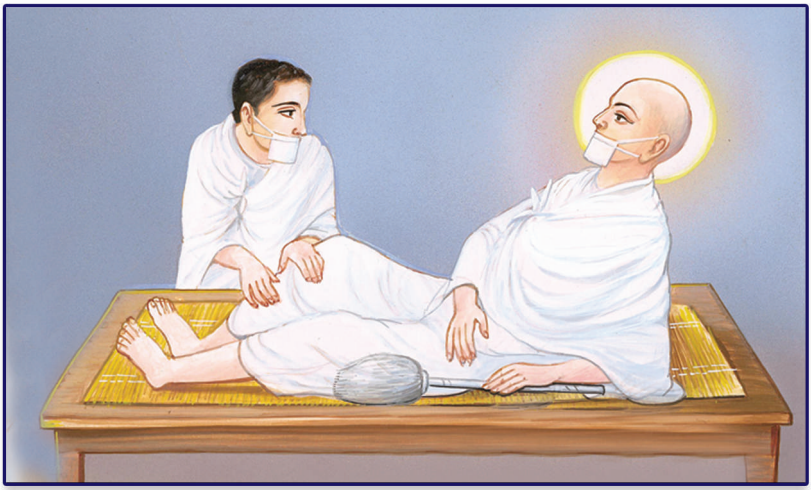

"शिष्य पंथक हुं आटला समयथी प्रमादनी पथारीमां सूतो हतो,
धन्यवाद छे तारी गुरुभक्ति ने!"

गुरुनी सेवामां क्यारे प्रमाद न करवो जोइए।
गुरूनी आज्ञा एटले परमात्मानी सेवा।
शिष्यनो विकास गुरुनी आज्ञामा ज छे!

Guru is Reflection

गर्दभाली मुनी अने संयति राजा

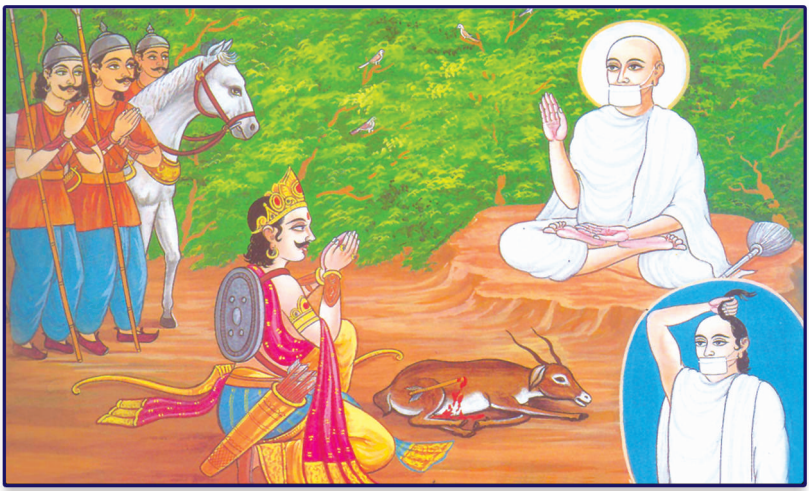

"अभय थवुं होय तो अभयदान आपता शीख!"

कोई पण वस्तुनो डर काढवो होय अभय थवुं होय तो अभय दान आपता शीखवुं जोइए, सुक्ष्म जीवोनुं जतन करवुं जोइए जीव मात्र माटे करुणा भाव, दया भाव होवो जोइए!

पूज्य रतिलालजी म. सा. अने पूज्य नम्रमुनिजी म. सा.

"मौन ज उत्तम साधना छे!"

पूज्य तपसम्राट गुरुदेव नी मौन साधना!
कर्म बंधाय छे शेनाथी? वचनथी, कर्मोथी
क्षय करवा उत्तम साधना छे... मौन साधना...

पूज्य नम्रमुनिजी म. सा. अने लुक एन लर्न, अर्हम युवा सेवा ग्रुप, गुरुभक्त

जापनुं फळ चमत्कार जेवुं काई ज न होय। जाप करवाथी अशाता वेदनीय कर्मनुं शाता वेदनीय कर्ममां conversion थाय

गुरु शिष्यनो अनुभव भक्तने गुरु जीवनमां आव्या बाद ज थाय छे। भक्त ज्यारे जाप करे छे त्यारे तेना अशाता वेदनीय कर्म शाता वेदनीय कर्ममां convert थाय छे अने भक्तने जीवनमां सुख शांति अने समाधिनो अनुभव थाय छे!

Guru is Creation

चंदनबाला सती और मृगावती सती

चंदनबाला महासतीजी के शिष्या यानि सती मृगावतीजी प्रभु के समवसरण में पधारे है। सुर्य देवता और चंद्र देवता परमात्मा की परमवाणी सुनने आते है। सुर्यास्त होने पर सती चंदनबाला धर्मस्थानक पधारने के लिए विहार करते है जब की मृगावती सती प्रभुवाणी में इतने लीन हो जाते है, परमात्मा समान चंद्रदेवता की हाजरी से सुर्यास्त का ख्याल नही रहा। जैसे मालुम हुआ कि उन्होंने तुरंत धर्मस्थानक की और विहार शुरु किया। धर्मस्थानक पहुँचते ही उनके गुरु चंदनबाला सतीने मृगावती सती को समझाया कि हम सतीजी देर रात तक बहार नहीं रह सकती, दोष लगता है। सती मृगावतीजी इतना पश्चाताप करते

है कि उन्हे केवलज्ञान की प्राप्ति होती है।

अब बच्चों,

ज्ञान से बड़ा कौन हुआ?

सती मृगावती या सती चंदनबाला जो उनके गुरु थे उन्हे मालुम न था कि सती मृगावतीजी को केवलज्ञान की प्राप्ति हो गई है। फिर भी मृगावती सतीने गुरु को रोज की क्रिया के विनयभाव से वंदना की और इतना ही respect देते थे जितना पहले दिया कर रहे थे वह उनकी सारी आज्ञा का पालन करते है। कभी ऊँची आवाज में बाते नहीं करते थे।

❋ Moral ❋

हमे सदा बड़े और छोटे को विनय देना चाहिए उनकी हर आज्ञा का पालन करना चाहिए।

As you walk with Guru,
You walk into the light of existence,
Away from the darkness of ignorance,
You leave behind all the problems of
your life and move towards the path
of Peace and Happiness in Life!

- Nysha Doshi

A journey which has no comparison...
Where Guru leads you!
From the Visible to the Invisible,
From the Material to the Divine,
From the Ephemeral to the Eternal,
Thank You for being My Guiding Light!

- Gurubhakt Mehta Parivar

गुरु वो बाँसुरी है जिसके बजते ही मन थिरकने लगता है।
गुरु वो अमृत है जिसे पिके कोइ भी प्यासा नहीं रहता।
गुरु वो मृदंग है जिसे बजते ही अर्हम नाद की जलक मिलती है।
गुरु वो खजाना है जो अनमोल है।
गुरु वो समाधि है जो चिरकाल तक साथ रहती है।
गुरु वो प्रसाद है जिसके भाग्य मे हो वो परमपद के सौभागी बनते है।
गुरु वो तेज है जिनके आते ही संशय के अंधकार मिट जाते है।
गुरु वो ज्ञान है जिसके मिलते ही पांचो तत्व एक हो जाते है।
गुरु वो दीक्षा है जिस शिष्य को मिलती है वह भवपार हो जाते है।

ज्यां शब्द ओछा पडी जाय...

ज्यां शिश सदेव जुकी जाय!

जे शरणे बधा ने

पामवी होय जगा,

इ ज छे गुरु शरण... गुरु चरण...

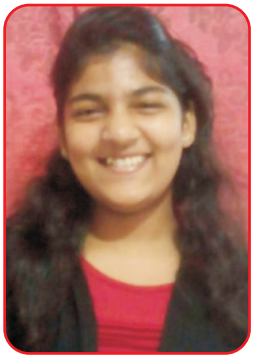

- Kunali Meisheri

Ayushmaan Bhava

A Blessing For A Lifetime Of Good Health Is Born With Your Baby

Preserve Your Baby's Umbilical Cord Stem Cells At Birth

Now At Just ₹9990*

LifeCell

Call 1800 419 5555 | SMS 'LIFECELL' TO 53456 | www.lifecell.in

*Terms & Conditions Apply

Find the odd one out

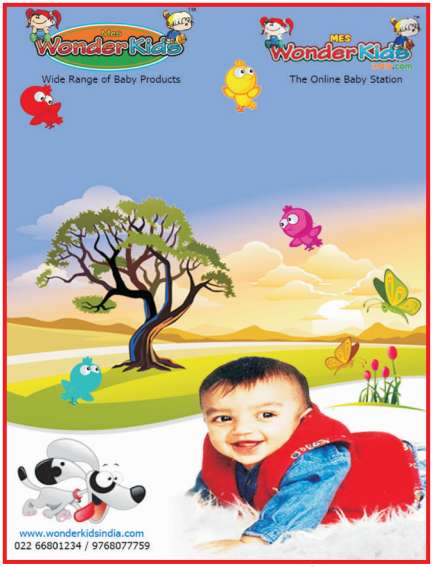

Registered with Registrar of Newspapers under RNI No. MAH MUL/2011/40056
Vol. : 7, Issue : 11, Date : 10.07.2016, Postal Registration No. MNE/171/2015-17.
Date of Posting / Date of Publication 10th & 25th of every month.
Look N Learn - Posted at Mumbai patrika channel sorting office Mumbai -1

गुरु कौन है?

एक सेब में कितने बीज होते है?

दो से तीन

एक बीज से कितने पेड़ हो सकते है?

एक बीज से एक पेड़,

एक पेड़ से अनेक सेब और अनेक सेबो से अनेक बीज.....

गुरु होते एक है, पर वे बीज समान है जो अनेक को परमात्मा जैसे बनने की राह पर ले चलते है।

Publisher, Printer and Owner Ashok R. Sheth, Printed at : Accurate Graphics Pvt. Ltd.,
15-A, Samrat Mill Compound, L.B.S Marg, Vikhroli (W), Mumbai - 400 079.
Publish at Mumbai : 20, Vanik Nivas, Kama Lane, Ghatkopar (W), Mumbai - 86. Editor : Ashok R. Sheth